ROUND TABLE CONFERENCES

- **The Round Table Conference (RTCs) were three meetings held in London between 1930 and 1932 to discuss constitutional reforms in India.** (राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस (RTC) लंदन में 1930 से 1932 के बीच आयोजित तीन बैठकों की श्रृंखला थी, जिनका उद्देश्य भारत के लिए संवैधानिक सुधारों पर चर्चा करना था।)
- **They were the result of the Simon Commission (1927) and the growing pressure from national movements like the Civil Disobedience Movement.** (ये सम्मेलन साइमन कमीशन (1927) की रिपोर्ट और सविनय अवज्ञा आंदोलन जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों के बढ़ते दबाव का परिणाम थे।)

Round Table Summit

	Congress	B.R Ambedkar	M.A. Jinnah
1930 ✓	✗	✓	✓
1931	✓	✓	✓
1932	✗	✓	✗

First Round Table Conference (1930)

- **Date : November 1930 – January 1931 / तिथि : नवंबर 1930 – जनवरी 1931**
- **Indian National Congress (INC) boycotted it because the Civil Disobedience Movement was ongoing. / भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) ने इस सम्मेलन का बहिष्कार किया क्योंकि उस समय सविनय अवज्ञा आंदोलन जारी था।**
- **Attended by princes, liberals, minorities, and other groups.**
- **इसमें राजकुमारों, उदारवादियों, अल्पसंख्यकों और अन्य समूहों ने भाग लिया।**
- **Outcome: Agreement on the idea of Federal Government in India, but no major progress due to absence of INC.**
- **परिणाम: भारत में संघीय सरकार (Federal Government) के विचार पर सहमति बनी, लेकिन कांग्रेस की अनुपस्थिति के कारण कोई बड़ा निर्णय नहीं हो सका।**

Gandhi - Irwin Pact (1931)

5 March

- **The Gandhi – Irwin Pact was an agreement signed on 5 March 1931 between Mahatma Gandhi and Lord Irwin (the Viceroy of India).**
  गांधी–इर्विन समझौता 5 मार्च 1931 को महात्मा गांधी और लॉर्ड इर्विन (भारत के वायसराय) के बीच किया गया एक महत्वपूर्ण समझौता था।
- **It ended the first phase of the civil disobedience Movement and created conditions for political negotiation. / इससे सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रथम चरण का अंत हुआ और राजनीतिक वार्ता का मार्ग प्रशस्त हुआ।**

Key Provisions

What the British Agreed to :

- **Withdraw all ordinances and repressive measures issued during the civil Disobedience Movement.** (सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान जारी सभी अध्यादेशों और दमनकारी उपायों को वापस लेना।)
- **Release all political prisoners, except those involved in violent activities.** (सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करना सिवाय उनके जो हिंसक गतिविधियों में शामिल थे।)
- **Restore confiscated lands to farmers wherever possible.**
- जहाँ संभव हो, किसानों की जब्त की गई ज़मीनें वापस करना।
- **Allow peaceful picketing of liquor and foreign cloth shops.**
- शराब और विदेशी कपड़ों की दुकानों पर शांतिपूर्ण पिकेटिंग की अनुमति देना।
- **Permit Indians to make salt for personal use along the coast.**
- तटवर्ती क्षेत्रों पर व्यक्तिगत उपयोग के लिए नमक बनाने की अनुमति देना।

What Gandhi/INC Agreed to :

- Suspend the Civil Disobedience Movement.
- सविनय अवज्ञा आंदोलन को निलंबित करना।
- Participate in the Second Round Table Conference in London.
- लंदन में होने वाले दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना।
- Stop all forms of boycott against British goods and government institutions. (ब्रिटिश वस्तुओं और सरकारी संस्थाओं के सभी प्रकार के बहिष्कार को रोकना।)

Second Round Table Conference (1931)

- **Date : September – December 1931 (तिथि : सितंबर – दिसंबर 1931)**
- **Gandhi participated as the sole representative of INC after the Gandhi – Irwin Pact. (गांधी–इरविन समझौते के बाद गांधीजी ने कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में इस सम्मेलन में भाग लिया।)**
- **Discussion focused on / मुख्य चर्चा के विषय :**
- **Minority representation/ अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व**
- **Separate electorates / पृथक् निर्वाचक मंडल**
- **Federal structure / संघीय ढाँचा**
- **Sarojini Naidu represented Indian women.**
- **भारतीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व सरोजिनी नायडू ने किया।**
- **Outcome : Failed due to disagreement, especially between Gandhi and B.R. Ambedkar over separate electorates for the depressed classes.**
- **परिणाम :यह सम्मेलन असफल रहा क्योंकि अनेक मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी– विशेषकर गांधीजी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बीच depressed classes (दलित वर्ग) के लिए पृथक निर्वाचक मंडलों के विषय पर।**

Congress + M.League + B.R.Ambedkar

(16th August

- Finally separate elections were conducted and every community got their leaders.
- अंततः अलग-अलग चुनाव कराए गए और प्रत्येक समुदाय को अपने नेता मिल गए।
- Mahatma Gandhi was against these community elections and protested against them / महात्मा गांधी इन सामुदायिक चुनावों के विरुद्ध थे और उन्होंने इसके खिलाफ विरोध भी किया, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।. But nobody cared.

Poona Pact

- Date: 24th September 1932
- तारीख: 24 सितंबर 1932

- Agreement signed between Mahatma Gandhi and B R Ambedkar at Yarwada Central jail with the help of C Rajagopalachari and M. M. Malviya. (येरवाड़ा सेंट्रल जेल में महात्मा गांधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के बीच सी राजगोपालाचारी और एम. एम. मालवीय की मदद से एक समझौता पर हस्ताक्षर किए गए।)

Third Round Table Conference (1932)

- **Date : November – December 1932 / तिथि : नवंबर – दिसंबर 1932**
- **INC again boycotted it./ INC (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) ने इस सम्मेलन का फिर से बहिष्कार किया।**
- **Very few Indian leaders attended.(बहुत कम भारतीय नेता इसमें शामिल हुए।)**
- **Outcome : led to the formulation of the Government of India Act 1935, which introduced provincial autonomy and a federal scheme.**
- **परिणाम :इसके परिणामस्वरूप भारत सरकार अधिनियम 1935 का प्रारूप तैयार हुआ, जिसमें प्रांतीय स्वायत्तता और संघीय ढाँचा शामिल थे।**
- **Note : B.R. Ambedkar attended all the three RTCs.**
- **डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने तीनों गोलमेज सम्मेलनों (RTCs) में भाग लिया था।**

Govt. of India Act 1935

1. → 10% आबादी को Vote की Permission
2. → Concurrent list
3. → founded L. Assemblies, & L. Councils

Ind

- After the Congress came to power in 8 of the 11 provinces in the 1937 Provincial Elections, it was a strong message of the Indian people's support for complete self-rule. When Viceroy Linlithgow declared that India is an ally of British in the Second World War on 3rd Sept 1939. The entire Congress leadership resigned; as he had not consulted them for India to take part in the Second World War. (1937 के प्रांतीय चुनावों में 11 में से 8 प्रांतों में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, यह भारतीय जनता का पूर्ण स्वशासन के लिए एक शक्तिशाली समर्थन संदेश था। जब 3 सितम्बर 1939 को वायसराय लिनलिथगो ने घोषणा की कि भारत द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिश का सहयोगी होगा तो पूरी कांग्रेस लीडरशिप ने इस्तीफा दे दिया; क्योंकि उन्होंने भारत को द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल करने से पहले उनसे राय नहीं ली थी।)

August offer (1940)

- The August Offer was a proposal made by the British Government through Viceroy Lord Linlithgow on 8th Aug 1940 during World War II.
- अगस्त प्रस्ताव (August Offer) ब्रिटिश सरकार द्वारा वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो के माध्यम से 8 अगस्त 1940 को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान प्रस्तुत किया गया एक प्रस्ताव था।
- It was an attempt to secure Indian cooperation in the war effort and respond to growing nationalist pressure. (यह युद्ध में भारतीय सहयोग प्राप्त करने और बढ़ते राष्ट्रवादी दबाव का जवाब देने का प्रयास था।)

Main objectives

- India's strong opposition to being dragged into World War II without consultation. (भारत को बिना सलाह लिए द्वितीय विश्व युद्ध में घसीटे जाने के प्रति भारत का कड़ा विरोध।)
- Rising nationalist movements and demand for self-government.
- राष्ट्रवादी आंदोलनों का बढ़ना और स्व-शासन की माँग का तेज होना।
- Failed negotiations between the British and Indian leaders.
- ब्रिटिश व भारतीय नेताओं के बीच वार्ताओं का असफल होना।

Congress Response (कांग्रेस की प्रतिक्रिया)

- Rejected the offer. (कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया।)
- Called it "a step backward", as it gave minority veto and no real transfer of power. / इसे "एक कदम पीछे" कहा, क्योंकि इसमें अल्पसंख्यकों को वीटो दिया गया था और सत्ता के वास्तविक हस्तांतरण का कोई प्रावधान नहीं था।
- Led to the Launch of the Individual Satyagraha (1940) under Gandhi.
- इसके परिणामस्वरूप गांधीजी के नेतृत्व में व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940) की शुरुआत हुई।
- Vinoba Bhave was the first Satyagrahi (Choosen by Gandhi ji). / विनोबा भावे पहले सत्याग्रही (गांधी जी द्वारा चुने गए) थे।
- Jawaharlal Nehru was the second Satyagrahi. / जवाहरलाल नेहरू दूसरे सत्याग्रही थे।

Cripps Mission (1942)

- Date: 22nd March 1942 (तारीख : 22 मार्च 1942)
- Leader of Cripps Mission: Sir Stafford Cripps
- क्रिप्स मिशन के नेता : सर स्टैफर्ड क्रिप्स
- Cripps Mission demanded Full co-operation of Indians from Congress in Second world war. (क्रिप्स मिशन ने कांग्रेस से माँग की कि द्वितीय विश्व युद्ध में भारत ब्रिटेन को पूरा सहयोग दे।)

Result: Congress and Muslim league both rejected that offer again.

परिणाम: कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों ने उस प्रस्ताव को दोबारा ठुकरा दिया।

"Mahatma Gandhi called it Post dated Cheque "

गांधी ने इसे आगे की तारीख का चेक बताया था।"

Quit India Movement (1942) 1945

- The Quit India Movement, also called the August Kranti, was launched by the Indian National Congress on 8th Aug 1942 at the Bombay session of the AICC. (भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, 8 अगस्त 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के बॉम्बे अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया था।)
- It was a mass struggle demanding an immediate end to British rule in India. (यह भारत में ब्रिटिश शासन को तत्काल समाप्त करने की मांग करने वाला एक जन आंदोलन था।)

10000+ Killed
60000+ Arrested

- Gandhi gave the historic call : “Do or Die”
- गांधीजी ने ऐतिहासिक आह्वान किया: “करो या मरो”।
- The next day (9 Aug) , Gandhi, Nehru, Patel and most Congress leaders were arrested. (अगले दिन (9 अगस्त), गांधी, नेहरू, पटेल और अधिकांश कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।)
- Aruna Asaf Ali hoisted the tricolour at Gowalia Tank (August 9, 1942). (अरुणा आसफ अली ने गोवालिया टैंक पर तिरंगा फहराया (9 अगस्त, 1942)।)
- Usha Mehta ran the secret underground radio “Congress Radio”. (उषा मेहता गुप्त भूमिगत रेडियो “कांग्रेस रेडियो” चलाती थीं।)

भारत छोड़ो

- Ballia (UP) – Chittu Pandey declared independence for a short period. (बलिया (उत्तर प्रदेश) – चित्तू पांडे ने कुछ समय के लिए स्वतंत्रता की घोषणा की।)
- Tamluk (Bengal)– Tamralipta National Government.
- तमलुक (बंगाल) – वहाँ तम्रलिप्त राष्ट्रीय सरकार की स्थापना हुई।
- Satara (Maharashtra) – "Prati Sarkar" under Nana Patil. (सातारा (महाराष्ट्र) – नाना पाटिल के नेतृत्व में "प्रतिसरकार" चलायी गई।)

Outcome

- The movement did not immediately end British rule, but it showed that Indians would accept nothing less than complete independence.
- यह आंदोलन तुरंत ब्रिटिश शासन को समाप्त तो नहीं कर सका, लेकिन इसने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय अब पूर्ण स्वतंत्रता से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करेंगे।
- Strengthened the resolve of the masses and made British rule politically and economically unsustainable.
- इसने जनता के संकल्प को और मज़बूत किया तथा ब्रिटिश शासन को राजनीतिक और आर्थिक रूप से अस्थिर बना दिया।
- Laid the foundation for freedom in 1947.
- इसी ने 1947 में स्वतंत्रता की नींव रखी।

Ga… tions to Public

- **Government servants:** do not resign your job but proclaim loyalty to the INC.
- **सरकारी कर्मचारी:** अपनी नौकरी से इस्तीफ़ा न दें, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के प्रति निष्ठा व्यक्त करें।
- **Soldiers:** be with the army but refrain from firing on compatriots.
- **सैनिक:** सेना में बने रहें, लेकिन अपने देशवासियों पर गोली चलाने से बचें।
- **Peasants:** pay the agreed-upon rent if the landlords/Zamindars are anti-government; if they are pro-government, do not pay the rent.
- **किसान:** यदि ज़मींदार/भूस्वामी सरकार-विरोधी हैं तो निश्चित किया हुआ किराया दें; यदि वे सरकार-समर्थक हैं, तो किराया न दें।

House of Lord

Viceroy

- **Students:** can leave studies if they are confident enough.
- **छात्र:** यदि उनमें पर्याप्त आत्मविश्वास है, तो पढ़ाई छोड़ सकते हैं।

- **Princes:** support the people and accept the sovereignty of them. (**राजकुमार/देशी रियासतों के शासक:** जनता का समर्थन करें और उनकी संप्रभुता स्वीकार करें।)

- **People of the princely states:** support the ruler only if he is anti-government; declare themselves as part of the Indian nation. (**देशी रियासतों की जनता:** शासक का समर्थन केवल तभी करें जब वह सरकार–विरोधी हो; स्वयं को भारतीय राष्ट्र का भाग घोषित करें।)